गत वर्ष की इसी अवधि के दौरान हुए चीनी के उत्पादन की तुलना में अधिक रहा है ;

(ख) यदि हां, तो उक्त पिछले वर्ष की प्रथम तिमाही के दौरान कितनी मात्रा में चीनी का उत्पादन हुआ था और इस वर्ष की प्रथम तिमाही में भी चीनी का कितनी मात्रा में उत्पादन हुआ है ;

(ग) क्या वर्ष 1990-91 के दौरान चीनी के उत्पादन के लिए सरकार द्वारा कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया है? और

(घ) यदि हां, तो उत्पादन का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है और चीनी के उत्पादन के इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार के अनुमान क्या हैं?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री राव बीरेन्द्र सिंह) :(क) जी हां ।

(ख) 1990-91 के चालू मौसम के दौरान पहली तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में चीनी का उत्पादन 30.30 लाख टन था जबकि पिछले मौसम की इसी अवधि के दौरान यह उत्पादन 27.96 लाख टन था ।

(ग) व (ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना में शर्करा उद्योग के लिए विकास कार्यक्रम तैयार करने हेतु गठित की गई समिति ने चीनी वर्ष 1990-91 के लिए 114.70 लाख टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य रखा है । उत्पादन की वर्तमान प्रवृत्ति के आधार पर 1990-91 के चालू मौसम के दौरान चीनी का उत्पादन लगभग 110 लाख टन होने का अनुमान है ।

Nadiad-Kapadvanj-Modasa Railway Line

*190. SHRI VITHALBHAI M. PATEL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that on-going work on the proposed Nadiad-Kapadvanj-Modasa railway line has been stopped;

(b) if so, the reasons for discontinuing the on-going work on the above railway line; and

(c) by when the work would be restarted on the above railway line?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

Distribution of Coarse Grains through the Public Distribution System

*191. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether Government propose to sell coarse grains through the public distribution system;

(b) if so, the details of the proposal; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI RAO BIRENDRA SINGH): (a) to (c) Allocation of foodgrains to State Governments/Union Territories for sale through Public Distribution System (PDS) is mainly confined to wheat and rice. Government have recently determined the Central issue price of coarse grains for PDS distribution at Rs. 199/- per quintal for general areas and Rs. 149/- per quintal for ITDP areas. During the current season, till 5-3-1991, a small quantity of about 5000 tonnes of jowar has been procured in the whole country. In view of very small quantities of coarse grains procured and the short shelf-life of coarse grains the procured quantities will be utilised for PDS distribution within the State itself.

मध्य प्रदेश के जनजातिय क्षेत्रों में रेल पथ की कुल लंबाई को बढ़ाना

*192. **श्री शिव प्रसाद चनपरिया** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में रेल पथ की

कुल लंबाई के वर्तमान अनुपात को बढ़ाने का विचार रखती है जोकि वहां की आदिवासियों की लगभग एक करोड़ पचास लाख की कुल आबादी के अनुपात में नगण्य है, ताकि आदिवासी विकास को बल मिल सके ; और

(ख) यदि हां, तो वे कौन-कौन से विचाराधीन क्षेत्र हैं जहां नये रेल पथों का निर्माण किये जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त चरण दास) :

(क) और (ख) : जी हां । मध्य प्रदेश में मौजदा रेल लाइनें कुछ जनजातीय क्षेत्रों को स्पर्श करती हैं जहां से वे गुजरती हैं । इसके अलावा, निम्नलिखित नई लाइन परियोजनाएं मध्य प्रदेश में प्रगति पर हैं, जिनके कुछ हिस्से जनजातीय क्षेत्रों से भी गुजरेंगे :

क्र० सं०	परियोजना का नाम	लंबाई (कि०मी०)	दिसम्बर 90 तक प्रगति का प्रतिशत
1.	गुना-इटावा	348	28.5
2.	सतना-रीवा	50	51.00
3.	गोधरा-दहोद-इंदौर और देवास-मक्सी (मध्य प्रदेश) में 216 कि०मी०)	316	6.0

भिलाई इस्पात संयंत्र को लौह अयस्क के परिवहन के लिए दिल्ली-राजहरा-रोघाट (95 कि०मी०) नई बड़ी लाइन के निर्माण का भी इस्पात और खान मंत्रालय का प्रस्ताव है । इस संबंध में उनके द्वारा अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है । यह लाइन भी जनजातीय क्षेत्रों से गुजरेगी ।

Proposal for a Broad Gauge Railway Line from Hyderabad to Gooty

*193. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether Government propose to construct a new broad gauge railway line from Hyderabad to Gooty via Dronachellam in Andhra Pradesh to minimise the distance in the supply of coal from Singareni collieries to Muddanuru Thermal Power Plant;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BHAKTA CHARAN DAS): (a) to (c) No. Sir. A Preliminary Engineering-*cum*-Traffic Survey for conversion of Guntur-Dronchellam MG section with parallel BG line between Kurnool-Dronachellam-Guntakal and a new BG line from Dronachellam to Gooty was carried out by South Central Railway in 1990. Similarly feasibility study for a parallel BG line between Secunderabad and Kurnool town was carried out by South Central Railway in 1990. As the survey and feasibility study have revealed inadequate traffic prospects and Railways are facing an acute resource crunch, there is no proposal to take up the project for the present.

नई रेल लाइन बिछाने के लिए परियोजनायें

*194. **श्री दिनेश गोस्वामी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 31 मार्च, 1990 की स्थिति के अनुसार नई रेल लाइनें बिछाने की अनेकों परियोजनाएं सरकार के विचाराधीन थीं ;

(ख) यदि हां, तो इन परियोजनाओं की कुल संख्या कितनी थी और इन परियोजनाओं के अधीन कितने किलोमीटर लंबी रेल लाइनें बिछाए जाने का प्रस्ताव था ; और

(ग) 31 मार्च, 1991 तक कितनी परियोजनाओं के पूरा हो जाने की संभावना है और उन परियोजनाओं की संख्या